ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)

# शोध मंथन

## हिन्दी शोध पत्रिका

**A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi**

**Vol. 7 No. 1** **2016**

*सम्पादकः*
ले0 डा0 अन्जुला राजवंशी
आर0जी0 पीजी कालिज, मेरठ

जर्नल अनु बुक्स
शिवाजी मार्ग, निकट पैट्रोल पम्प
मेरठ शहर–भारत

# शोध मंथन
## हिन्दी जर्नल (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थ, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूष्परक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्च्स्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

**सम्पादकः**
**ले0 डा0 अन्जुला राजवंशी,** असि0 प्रो0,आर0 जी0 पीजी कालिज, मेरठ

**सम्पादकीय समितिः**
**डा0 अर्पणा वत्स,** असि0 प्रो0, इतिहास विभाग, आर0 जी0 पीजी कालिज, मेरठ
**डा0 सुनीता बडोला,** एच0एन0ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर
**डा0 सुशीला शक्तावत,** एसो0 प्रो0, इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
**डा0 विनोद कालरा,** अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर
**डा0 अनामिका,** असि0 प्रो0, एन0के0बी0एम0जी0 पीजी कालिज, चंदौसी

- शोध मंथन अर्धवार्षिक जर्नल है।
- शोध पत्र प्रकाशित होने पर आपको शोध मंथन की दो प्रतियां प्रदान की जायेगी। परन्तु अन्य अंक या विशेषांक मंगवाने के लिए $60 या 600 रू0 प्रकाशक को भेजने होंगे।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन में प्रकाशन हेतु दूसरे के शोध पत्र न दिये जाये।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कापी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल या सीडी के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।

**Subscription**

| | | |
|---|---|---|
| India | 600.00 प्रति अंक | 1200.00 वार्षिक |
| Foreign | $60.00 | $ 250.00 वार्षिक |

## जर्नल अनु बुक्स
**शिवाजी मार्ग, निकट पेट्रोल पम्प**
**मेरठ शहर–भारत**
**फोन न0 : 01212657362, 919997847837**

# अनुक्रमणिका


1. कृषि व्यावसायिकरण का कृषियौद्योगिक विकास पर प्रभावः 1
शाहजंहापुर जनपद 'उत्तर प्रदेश'के विशेष संदर्भ में
**डॉ0 नरेश कुमार, विजय कुमार**

2. नवगीत : मूल्यांकन के प्रतिमान 10
**डॉ० देवेन्द्र कुमार**

3. पंचायतीराज आरक्षण और दलितों की सामाजिक स्थिति : 14
एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
**डॉ. ए. टी. शिंद**

4. सामान्यीकरण 19
**अशोनी कुमार, मिथलेश**

5. दलितों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में माननीय कांशीराम का योगदान 30
**दलीप सिंह, हुकम सिंह**

6. नेहरू शैक्षिक विचारधारा की वर्तमान परिस्थितियों में आवश्यकता 38
**भूपेन्द्र सिंह, डा0 रविकान्त सरल**

7. शिवनारायणी/सम–सामयिक एवं परवर्ती संत काव्य–एक अध्ययन 45
**डॉ0 शिल्पी श्रीवास्तव**

8. भारतीय राजनीति में दलितो की सहभागिता 58
**डा0 भूपेन्द्र प्रताप सिंह**

9. आधुनिक भारत में महिलाओं के प्रति अपराध : एक समीक्षा 71
**डा. सुनीता रानी**

10. कन्या भ्रूण हत्या : एक जघन्य अपराध में जकड़ता सामाज 85
**डा. विनोद कुमार**

11. सांस्कृतिक वैभव संजोये राजस्थान प्रदेश की किशनगढ़ शैली 96
**डॉ0 रीता सिंह**

12. भारतीय दर्शन में सिख धर्म 100
**शगुन सिक्का**

13. भूमण्डलीकरण के प्रभाव का समाजशास्त्रिय विश्लेषणः 106
अनुसूचित जाति–जनजातियों के संदर्भ में
**डॉ दत्तात्रय पालीवाल**

14. राजस्थानी चित्रकला को समृद्ध करती मेवाड शैली 115
**ख्याति सिंह**

15. प्रबंधकीय विचारधारा 118
**शकुन्तला**
16. पुस्तकालय सूचना विज्ञान के स्त्रोत 122
**ज्ञान प्रकाश**
17. भारतीय तन्त्र में भ्रष्टाचार 129
**डॉ० शिवाली**
18. पड़ोसी राज्यों के प्रति राजीव गांधी की विदेश नीति का समीक्षात्मक अध्ययन 134
**डॉ. वकुल रस्तोगी**
19. लोक संगीत लोकनृत्य और शास्त्रीय संगीत 143
**डा० अनीता कश्यप**
20. कीर्तिशेष : राष्ट्रकवि दिनकर 148
**डॉ. कंचन सिंह**
21. किस्सागोई के आवश्यक तत्व एवं उनकी प्रकृति 155
**डॉ. रामयज्ञ मौर्य**
22. लोक गीत – वर्तमान परिदृश्य और प्रभाव 161
**डा. पूनम**
23. जनसंचार एवं सांस्कृतिक परिवर्तन 165
**डॉ. ऋतु दीक्षित**
24. विश्व तापमान में वृद्धि के कारण एवं परिणाम 169
**डॉ. दीपा पाठक**
25. कोल समुदाय का सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य 173
**डॉ. गौतम बनजी**
26. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भक्ति कालीन काव्य का महत्व 179
**डॉ. शुभा माहेश्वरी**
27. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन 185
**डा. रेखा राणा**
28. हिंदी चलचित्र एवं महिला शक्तिकरण 190
**डॉ. मंजुलता**
29. हिन्दी साहित्य के बदलते परिदृश्यः दशा एवं दिशा 198
**डॉ. वंदना पाण्डेय**
30. वैदिक शास्त्रों में स्त्री–शूद्रों का अधिकार 201
**सौमित्र अधिकारी**